RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-03
Issue-10
October-2018

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

मल्टीमीडिया उपागम के प्रयोग के प्रति शिक्षकों के रूझान का तुलनात्मक अध्ययन

[1]ज्योति पाल, [2]डॉ. संस्मृति मिश्रा

[1]सहायक प्राध्यापक, सैम कॉलेज, भोपाल
[2]क्रिस्प भोपाल

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 10 October 2018

Keywords
मल्टीमीडिया उपागम, अधिगम स्तर

ABSTRACT

शिक्षा में आई.सी.टी. के बढ़ते प्रभाव के कारण क्रमशः परम्परागत शिक्षण विधियों के स्थान पर मल्टीमीडिया उपागम की चर्चा की जाने लगी। मल्टीमीडिया विभिन्न प्रकार के डिजीटल मीडिया का संयोजन है, जिसमें दृश्य, श्रृव्य, ऐनीमेशन, वीडियो का एकीकृत बहुसंवेदी प्रस्तुतिकरण होता हैं प्रस्तुत शोध पत्र में मल्टीमीडिया उपागम के प्रयोग के प्रति रुझान के अध्ययन के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के तथा म. प्र. माध्यमिक शिक्षा मंडल के सत्र 2017–18 के 20–20 शिक्षकों को चयनित किया है। सांख्यिकी विवेचना के आधार पर यह परिणाम प्राप्त हुआ कि प्रयोगात्मक एवं नियंत्रित समूह में कोई सार्थक अंतर नहीं प्राप्त हुआ। प्रौद्योगिकी का नवीन उपागम है मल्टीमीडिया। प्रस्तुत शोध पत्र मल्टीमीडिया उपागम के प्रति शिक्षकों के रुझान का तुलनात्मक अध्ययन करने का विनम्र प्रयास है।

शिक्षा के वैकल्पिक एवं प्रभावी तरीकों के द्वारा हिन्दी भाषा शिक्षण के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती हैं। आई.सी. टी. की इसी श्रंखला में स्मार्ट क्लास का प्रादुर्भाव हुआ है, जिससे हिन्दी शिक्षण को नवीन आयाम दिये जा सकते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में मल्टीमीडिया एक लोकप्रिय प्रौद्योगिकी बन गया है तथा क्रियाशीलता इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है। वर्तमान में मल्टीमीडिया का प्रयोग शिक्षा, व्यवसाय, मार्केटिंग सभी जगह होने लगा है। टैक्स्ट, ग्राफिक्स, वीडियो, ऐनिमेशन व ध्वनि आदि में मल्टीमीडिया का प्रयोग होता है। व्यवहारिक तौर पर मल्टीमीडिया कम्प्यूटर हार्डवेयर का संयोजन है।

इन्टरनेट आधारित अधिगम प्रणाली की परिभाषा शिक्षा की उस प्रणाली के रूप में दी जा सकती है जो परम्परागत प्रणालियों के माध्यम से पृथक है। इस प्रकार मल्टीमीडिया आधारित अधिगम से तात्पर्य गैर–पारंपरिक शिक्षा से है, जो पारंपरिक स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय शिक्षा की उन बाध्यताओं को तोड़ देती है जो उसकी अपनी विशेषता है। साथ इस बात को भी जोर देकर कहा जा सकता है कि प्रौद्योगिकी प्रगति अधिगम को आसानी से प्रभावित कर सकती है।

मल्टीमीडिया विभिन्न प्रकार के डिजिटल मीडिया का संयोजन है, जिसमें दृश्य, श्रृव्य, ऐनीमेशन, वीडियो का एकीकृत बहुसंवेदी प्रस्तुतिकरण होता है। परम्परागत शिक्षण विधा में विद्यार्थी को दी गई जानकारियों एवं व्यवहारिक आवश्यकताओं के मध्य सुव्यवस्थित तालमेल का बहुत अभाव होता है। मल्टीमीडिया उपागम उत्पादन की गतिशीलता बढ़ाकर एक समस्या समाधान के रूप में शिक्षक को गम्भीरता प्रदान करता है। वस्तुतः प्रयोगशाला में अधिगम से संबंधित समस्याओं के लिए एक नवीन उपागम एवं तकनीकी पर विचार किया गया है, जो छात्रों को मल्टीमीडिया प्रयोग द्वारा शिक्षण व्यूह रचना को श्रेष्ठ बनाते हुए अधिगम को गति भी प्रदान करता है एवं रुचि।

मल्टीमीडिया एक बहुआयामी शिक्षण की व्यवस्था है। भारत की शिक्षा प्रणाली मल्टीमीडिया उपागम के प्रयोग से न केवल शिक्षा के स्तर को उच्च किया जा सकता है बल्कि मल्टीमीडिया में शिक्षण के दौरान शिक्षक भी सजग रहता है। प्रस्तुत शोध पत्र मल्टीमीडिया उपागम के प्रति शिक्षकों के रुझान का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास है।

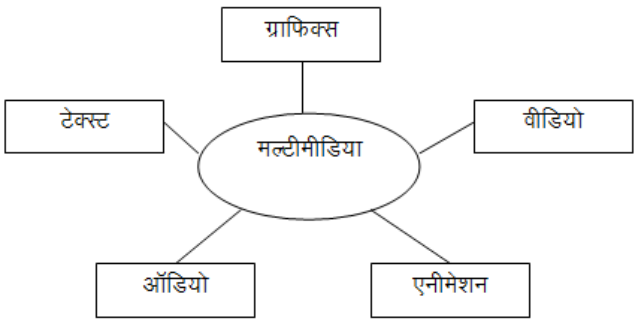

अध्ययन के उद्देश्य

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

हिन्दी में मल्टीमीडिया उपागम के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की रुचि का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना

मल्टीमीडिया उपागम के प्रयोग के प्रति सी.बी.एस.सी. एवं म.प्र. बोर्ड के शिक्षकों के रूझानमें कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन में प्रयुक्त पदों का परिभाषीकरण

- माध्यमिक शिक्षा
- मल्टीमीडिया
- अधिगम

अध्ययन की परिसीमाएँ

- प्रस्तुत शोध म.प्र. के भोपाल जिले के शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत शोध भोपाल शहर के केवल 10 निजी विद्यालयों तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत शोध कार्य में 5 सी.बी.एस.ई. विद्यालय व 5 म. प्र. बोर्ड के विद्यालयों का चयन किया गया।
- शोध हेतु म.प्र. बोर्ड के केवल 20 शिक्षक व सी.बी.एस. ई. बोर्ड के केवल 20 शिक्षकों का चयन किया गया।
- प्रस्तुत शोध शिक्षकों के मल्टीमीडिया के प्रति अभिरूचि ज्ञात करने तक ही सीमित है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में समस्या के अध्ययन व प्रदत्तों के संकलन उद्देश्य की पूर्ति हेतु शोधार्थी ने प्रयोगात्मक शोध प्रविधि का प्रयोग किया है। मल्टीमीडिया उपागम के प्रयोग के प्रति शिक्षकों के रुझान का तुलनात्मक करने हेतु एक प्रश्नावली का निर्माण किया गया, जिसमें मल्टीमीडिया के रुझान को जानने के लिए 10 प्रश्नों को सम्मिलित किया गया। अभिरुचि परीक्षण (शोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली

शोध परिणाम

शिक्षक रूझान का परीक्षण का प्रश्नवार विश्लेषण व विवेचना

आरेख –4.2

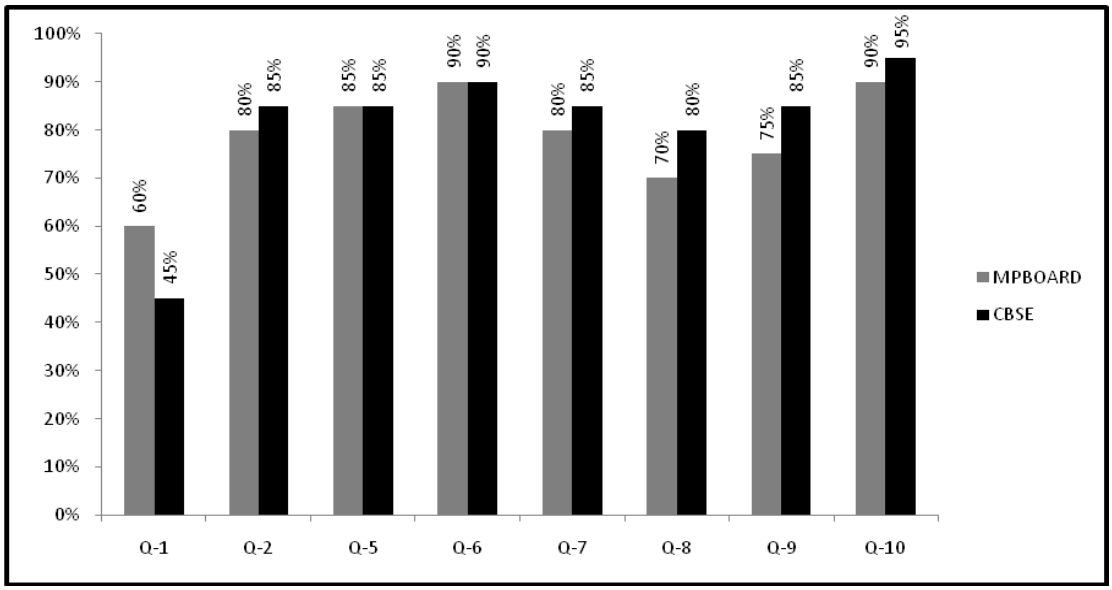

प्रस्तुत शोध 'माध्यमिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया उपागम का अधिगम स्तर पर प्रभाव का अध्ययन' करने हेतु किया गया शोध के उपरान्त प्राप्त परिणामों को यदि संक्षेप में व्यक्त किया जाए तो हम यह कह सकते हैं कि यदि विभिन्न मल्टीमीडिया प्रविधियों द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा व व्याकरण की शिक्षा प्रदान की जाए तो उनका उपलब्धि स्तर अथवा अधिगम स्तर उच्च हो जाता है।

अतः प्रस्तुत शोध के विभिन्न शैक्षिक निहितार्थों को शोधार्थी निम्न बिन्दुओं द्वारा प्रस्तुत कर रहा है–

1) शोध के परिणामों को दृष्टिगत रखते हुए यदि विद्यालय प्रशासन चाहे तो अपने विद्यालय में कम्प्यूटर तथा एल.ई.डी. प्रोजेक्टर की व्यवस्था कर न केवल हिन्दी भाषा वरन् अन्य विषयों का शिक्षण सभी कक्षा के विद्यार्थियों को करा सकते है, जिससे विद्यार्थियों के अधिगम स्तर पर निश्चित रूप से सुधार होगा।

2) मल्टीमीडिया द्वारा शिक्षण करने वाले शिक्षकों को अपने विषय की तैयारी में अधिक श्रम नहीं करना होता, तथा वे विद्यार्थियों को अपना विषय अधिक स्पष्टता एवं रूचिकर तरीके से समझा सकते हैं।

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

3) कभी–कभी यदि कक्षा में शिक्षक किन्हीं कारणवश उपस्थित न हो सके, तो मल्टीमीडिया द्वारा विद्यार्थियों के समय का सदुपयोग हो जाता है, अर्थात् छात्र विषय से संबंधित कुछ न कुछ ज्ञान कम्प्यूटर आधारित प्रणाली से प्राप्त कर सकते हैं।

4) सरकार एवं शिक्षा विभाग को चाहिए कि अपने विद्यालयों में कम्प्यूटर तथा अन्य मल्टीमीडिया उपकरणों की व्यवस्था कर शिक्षकों को प्रशिक्षण दें, जिससे वे विद्यार्थियों को मल्टीमीडिया द्वारा रुचिकर तरीके से अध्ययन करा सकें।

संदर्भग्रन्थ सूची

- तिवारी डॉ. भोलानाथ, ''सम्यक भाषा हिन्दी'' प्रभात प्रकाशन दिल्ली–6 प्रथम संस्करण, 1957
- Sukhia, S.P., Mehrotra, P.V. ''शैक्षिक अनुसंधान के मूलतत्व'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–2, 1971
- बुच एम.वी, ''पाँचवा सर्वे ऑफ रिसर्च एन एज्युकेशन'', द्वितीय संस्करण, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली, 1972
- पाठक पी.डी., ''भारतीय शिक्षा और उसकी समस्यायें'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1972
- वात्सायन सच्चिदानन्द, ''आधुनिक हिन्दी साहित्य'', राजपाल एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1976
- नायर, पी.आर., मैसूर टीचर, एटिचुड्स स्केल्स, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, मैसूर यूनिवर्सिटी, 1977
- बघेगा गिजु भाई, ''प्राथमिक विद्यालय में भाषा शिक्षा'', संस्कृत साहित्य, दिल्ली, 2000
- पाण्डेय, डॉ. राम प्रकाश, ''उच्चतर माध्यमिक स्तरीय विद्यार्थियों में सहयोग मूल्य विकास हेतु मूल्य मनोवैज्ञानिक संकल्पना के संदर्भ में पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं की प्रभाविता का अध्ययन'', शोध समीक्षा और मूल्यांकन, अगस्त – 2009, वोल्यूम–।।, इश्यू–7, प्रकाशक डॉ. कृष्णवीर सिंह द्वारा आर. आर. प्रिन्टर्स, जयपुर ।
- रदरफोर्ड व होल्ड स्टोक (1995) ''कम्प्यूटर तकनीकी के प्रति उच्च अभिवृत्ति का अध्ययन''
- कोसेर्सर्टटन व कालेले मनेने (1996) ''छात्रों व छात्राओं के कम्प्यटूर के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन''
- नीरा चेतनलाल (1998) ''व्याख्यान विधि व मल्टीमीडिया साधनों के सम्मिश्रण का अधिगम पर प्रभाव संबंधी तुलनात्मक अध्ययन''
- अग्रवाल कुसुम (1999) ''शैक्षिक रूप से असफल किशोरों के माता–पिता की अभिवृत्ति एवं उनकी सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि पर अध्ययन''
- खेडा कौशल किशोर (2000) 'मध्यप्रदशे राज्य के प्राथमिक विद्यालयों के ढाँचा में छात्र उपलब्धियों के साथ अधिगम तथ्यों का अध्ययन''
- मित्रा स्टीफैंन्सी मीयर (2000) ''इन्टरनेट आधारित अधिगम सामग्री का तथा पाठ्यपुस्तकों का प्रयोग करने वाले विद्यार्थियों के कम्प्यूटर तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन''
- इर्विर्न (2001) ''इन्टरनेट आधारित अधिगम के अभिवृत्ति के सहसम्बन्ध कारकों का अध्ययन''
- सेठी उर्मि व कौर विरेन्दर (2014) ''10वीं कक्षा के छात्रों में विज्ञान एवं विद्यालय वातावरण में रूचि का विज्ञान में उपलब्धि के लिए सहसंबंध'' एक अध्ययन।
- अनिता (2002) ''को–ऑपरेटिव लर्निंग एण्ड मल्टीमीडिया' का हाई स्कूल छात्रों के लेखन पर प्रभाव का अध्ययन''
- राव वी.के. (2003) ''वर्ल्ड वाइड वेब के शिक्षा पर प्रभाव का अध्ययन''
- नीओ एण्ड नीओ (2001) ''इनोवेटीव टीचिंग यूजिंग मल्टीमीडिया इन ए प्रॉब्लम बेस्ठ लर्निंग इन्वायरोमेंट'' एक अध्ययन
- कुमार (2005) ''कक्षा नौवीं के छात्रों की व्याकरण संबंधी उपलब्धियों का अध्ययन''
- बेहरा के. और नायक, बी. (2005) ''इफैक्ट ऑफ एक्टिविटी–बेस्ड टीचिंग–लर्निंग प्रॉसेस एण्ड कॉम्पीटेन्सी–बेस्ड टीएलएम ऑन द अचीवमेण्ट ऑफ द लर्नर्स'' एक प्रयोगात्मक अध्ययन।

© RRIJM 2015, All Rights Reserved